



यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट इन टिप्स की मदद से मिलेगी सफलता

सीयूईटी की परीक्षा के लिए बेहद कम समय बचा है और छात्र रीवीजन की तैयारी में लग गए हैं। लेकिन केवल तैयारी से ही काम नहीं चलता क्योंकि आवश्यकता होती है एक ऐसी स्ट्रेटेजी की जिसकी मदद से परीक्षा में सफलता मिल सके। आइए जानते हैं उन खास टिप्स और ट्रिक्स कौन-से हैं जो परीक्षा में अच्छे अंक दिला सकते हैं।

सिलेबस को अच्छे से चेक करें

किसी भी परीक्षा में सफलता के लिए सबसे पहले आवश्यक है कि सिलेबस को अच्छे से जान लें और परीक्षा के बारे में पूरी जानकारी इकट्ठी कर लें। तैयारी करने के क्रम में सिलेबस के अनुसार पढ़ाई करें और उसी के अनुसार अपना टाइम मैनेजमेंट करें।

पसंदीदा कॉलेज को देखें

परीक्षा की तैयारी से पहले एडमिशन लेने के लिए कॉलेज और कोर्स का चुनाव कर लें। ऐसा करने से आपको पिछले वर्ष

के कट-ऑफ का अंदाजा तो लगेगा ही साथ ही यह भी पता लगेगा कि अपने पसंदीदा कॉलेज में एडमिशन लेने के लिए आपको कितने सीयूईटी अंकों की आवश्यकता होगी।

रूटीन बना लें

अपने सिलेबस को छोटे खंडों में बांट लें और एक समय में एक खंड पर ही ध्यान रखें। सभी विषयों को समय दें और उसी के अनुसार पढ़ाई करें। इसके अलावा उन विषयों को भी रिवाइज करने के लिए समय निकालें जिन्हें आपने पहले ही पढ़ा हुआ है। रीवीजन करने से परीक्षा की तैयारी में मदद मिलेगी।

तैयारी के लेवल को चेक करें

पढ़ाई पूरी होने के बाद टेस्ट पेपर सॉल्व करने का प्रयास करें। प्रश्नों को सॉल्व करें, कॉन्सेप्ट पर कार्य करें और फाइनल एग्जाम के लिए टॉपिक तैयार करें। ऐसा करने से आपकी स्पीड तो बढ़ेगी ही साथ ही परीक्षा में आंसर फ्रेम करने में भी मदद मिलेगी।

इन प्वाइंस की मदद से करें यूनिवर्सिटी एंट्रेंस की तैयारी

किसी भी एंट्रेंस परीक्षा की तैयारी करना और उसकी स्ट्रेटेजी बनाना आसान नहीं होता। एंट्रेंस एग्जाम की तैयारी के लिए हार्ड वर्क के साथ-साथ दृढ़ संकल्प और निरंतरता की भी आवश्यकता होती है। इसके साथ ही एक बेहतर गाइडेंस की और रिसोर्स की आवश्यकता भी होती है। आइए इस लेख के माध्यम से सीयूईटी की तैयारी की स्ट्रेटेजी के विषय में जान लेते हैं।

एग्जाम और उसके सिलेबस को समझना
तैयारी की सबसे पहली सीढ़ी है एंट्रेंस एग्जाम और उसके सिलेबस को समझना। सबसे पहले जाने कि सीयूईटी की परीक्षा क्या है और इसका सिलेबस कैसा है। यह जानना जरूरी है कि किन विषयों से प्रश्न पूछे जाएंगे और कौन से विषय अधिक जरूरी हैं। ऐसा करने से आप जरूरी विषयों की पहचान कर पाएंगे और अपना समय बचा पाएंगे।

एक टाइम-टेबल बनाएं

जब सिलेबस के विषय में जानकारी हो जाए तो आवश्यक है कि तैयारी के लिए टाइम-टेबल बनाया जाए। बोर्ड की परीक्षा खत्म होने के बाद सीयूईटी की परीक्षा आयोजित की जाएगी यही कारण है कि छात्रों को जल्द से जल्द टाइम-टेबल बनाकर तैयारी शुरू कर देनी चाहिए। एक ऐसा प्लान बनाएं जिसमें आप हर दिन 90-120 मिनट बिता सकें। अपनी स्पीड और अपने टाइम-टेबल पर टिक रहें और आप निश्चित रूप से परीक्षा में सफल होंगे।

अधिक से अधिक प्रैक्टिस करें

प्रैक्टिस सफलता की कुंजी है। तरह-तरह के प्रश्नों की प्रैक्टिस करना बहुत महत्वपूर्ण है। विभिन्न प्रतियोगी और प्रवेश परीक्षाओं के पिछले प्रश्नों की प्रैक्टिस करें। स्क्रीन पर एमसीक्यू का अभ्यास करने के लिए अधिक से अधिक लाइव क्लासेस में शामिल हों और सबसे जरूरी बात कि एक अच्छी किताब को अपनी तैयारी का हिस्सा बनाएं।

मोटिवेटेड रहें

किसी भी समस्या यहां तक कि एक एंट्रेंस एग्जाम में सफलता के लिए मोटिवेशन बेहद जरूरी है। पॉजिटिव रहें और सोचें कि एंट्रेंस में सफलता आपके सपनों और आपके करियर को आकार देने में कैसे मदद करेगी। मार्गदर्शन मांगें। अगर जरूरी हो तो विशेषज्ञों से जुड़ें।



कैसे बनें मोबाइल ऐप डेवलपर

मोबाइल ऐप डेवलपर बनने के लिए व्यक्ति को रचनात्मक और नवीनता से भरपूर होना चाहिए। उसे

टेक्निकल-सैवी होना चाहिए और मानवीय जरूरतों और इच्छाओं को पूरा करने वाले ऐप्स विकसित करने की भावना के साथ विचारशील होना चाहिए। मोबाइल एप्लिकेशन डेवलपर मोबाइल एप्लिकेशन प्रोग्राम लिखने में एक कुशल और उपयुक्त पेशेवर होता है। गेमिंग, वीडियो कॉलिंग, ई-मेल और म्यूजिक आदि जैसी सेवाओं का उपयोग आज के समय में मोबाइल एप्लिकेशन डेवलपर्स के लिए जबरदस्त अवसर प्रदान करता है। प्रौद्योगिकी की प्रगति और मोबाइल फोन, विशेषकर स्मार्टफोन के सभी क्षेत्रों में मोबाइल ऐप जैसे वाइबर, व्हाट्सएप आदि का उपयोग बढ़ रहा है जिससे आने वाले समय में मोबाइल ऐप डेवलपर्स की मांग भी बढ़ रही है। इस कार्य को कुशलतापूर्वक करने के लिए मोबाइल ऐप डेवलपर्स को एक से अधिक प्रोग्रामिंग भाषा के व्यापक अनुभव और ज्ञान की आवश्यकता होती है जिसे औपचारिक योग्यता प्राप्त करके प्राप्त किया जा सकता है।

एक मोबाइल ऐप डेवलपर सेल फोन पर एप्लिकेशन बनाने, परीक्षण करने और बढ़ावा देने के लिए प्रोग्रामिंग भाषाओं और उन्नति क्षमताओं का उपयोग करता है। वे आईओएस और एंड्रॉइड जैसी प्रसिद्ध फ्रेमवर्क स्थितियों में काम करते हैं और नियमित रूप से एप्लिकेशन बनाते समय यूआई और यूएक्स मानकों पर विचार करते हैं। एक मोबाइल एप्लिकेशन डेवलपर एक संगठन में निम्नलिखित कर्तव्यों को पूरा करने के लिए जवाबदेह होता है -

- ग्राहकों के अपेक्षाओं और सहयोगियों के साथ प्रस्तावित समाधानों की जांच करना और बहुमुखी उपयोगिता में सहायता के लिए एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस (पीआई) बनाना।
- बहुमुखी अनुप्रयोगों को कोड करने और ऐप्स के लिए मौजूदा वेब एप्लिकेशन्स का उपयोग और समायोजन करने के लिए प्रौद्योगिकी, विचारों और सर्वोत्तम प्रथाओं के साथ अपटूडे रहना।
- उनकी मुख्य जिम्मेदारियों में ऐप कोडिंग,

परीक्षण, डिबगिंग, दस्तावेजीकरण और निगरानी शामिल होती हैं।

- संगठन के भीतर विभिन्न विभागों के साथ बातचीत करना भी मोबाइल एप्लिकेशन डेवलपर की एक प्रमुख जिम्मेदारी है।
- वे एक संगठन में परियोजना अनुसूचियों और कार्यप्रवाहों के विकास में भी योगदान करते हैं।

आवश्यक पात्रता

शैक्षिक योग्यता - कंप्यूटर विज्ञान या सॉफ्टवेयर कंप्यूटर इंजीनियर में स्नातक की डिग्री, या संबंधित सॉफ्टवेयर विकास क्षेत्र।
प्रमाणन और व्यावहारिक अनुभव - हालांकि प्रमाणीकरण प्राप्त करना मोबाइल ऐप डेवलपर होने के लिए पर्याप्त ज्ञान प्राप्त करने का सबसे अच्छा तरीका है। लेकिन एक औपचारिक स्नातक की डिग्री और उससे ऊपर की योग्यता इस क्षेत्र में लीडर बनने के लिए यह एक बेहतर ऑप्शन हो सकता है।

आवश्यक कौशल

- मोबाइल ऐप डेवलपर बनने के लिए व्यक्ति को रचनात्मक और नवीनता से भरपूर होना चाहिए। उसे टेक्निकल-सैवी होना चाहिए और मानवीय जरूरतों और इच्छाओं को पूरा करने वाले ऐप्स विकसित करने की भावना के साथ विचारशील होना चाहिए।
 - उन्हें रंगों का उपयोग करने में, एप्लीकेशन के संचालन में और सामान्य सहायता और बुनियादी सुझाव में सक्षम होना चाहिए।
 - उन्हें सी, सी++ और सामान्य रूप से उपयोग की जाने वाली कुछ प्रोग्रामिंग भाषाओं में सक्षम होना चाहिए।
 - मोबाइल ऐप डेवलपर्स को मोबाइल प्लेटफॉर्म एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस (पीआई) जैसे ऐप्पल आईओएस, एंड्रॉइड, विंडोज मोबाइल और सिम्बियन से परिचित होने में सक्षम होना चाहिए।
- एप्लिकेशन डेवलपमेंट में करियर आसान नहीं होता है। शुरुआत से ही इसके लिए तैयार रहना चाहिए। जो छात्र अपने इस सपने को पूरा करना चाहते हैं उन्हें 12वीं कक्षा से ही तैयारी शुरू कर देनी चाहिए।

मोबाइल एप्लिकेशन डेवलपर बनने की कैसे करें तैयारी

स्टेप 1

छात्र विभिन्न विषयों जैसे सूचना अभ्यास, कंप्यूटर विज्ञान, भौतिकी, गणित आदि के बारे में तैयारी शुरू कर सकते हैं। छात्रों को अपनी पिछली शैक्षणिक यानी कक्षा 12 वीं परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी। मुख्य विषयों के रूप में गणित और भौतिकी के साथ 10+2 कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद इच्छुक उम्मीदवार को कंप्यूटर विज्ञान, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग या किसी अन्य संबंधित सॉफ्टवेयर विकास क्षेत्र में डिग्री या डिप्लोमा पाठ्यक्रम के लिए आवेदन करना होगा। यह कई निजी और सरकारी इंजीनियरिंग संस्थानों द्वारा पेश किया जाता है। बी.टेक कंप्यूटर इंजीनियरिंग में प्रवेश पाने के लिए किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से न्यूनतम कुल योग 50 ब होना चाहिए।

स्टेप 2

स्नातक/सर्टिफिकेशन पूरा करने और प्रचलित भाषाओं जैसे सी, सी++, जावा आदि का ज्ञान प्राप्त करने के बाद इच्छुक मोबाइल ऐप डेवलपर परियोजनाओं पर काम कर सकता है। कुछ बड़े मोबाइल ऐप डेवलपमेंट उद्यमों में शामिल होने से पहले अपने ज्ञान के आधार को बढ़ाने के लिए अपना खुद का छोटा एप्लिकेशन भी बना सकते हैं।

मोबाइल एप्लिकेशन डेवलपर बनने के लिए कोर्सेज

मोबाइल एप्लिकेशन डेवलपर बनने के लिए विभिन्न प्रकार के पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं जिन्हें एक व्यक्ति अपना सकता है। इसके लिए मोबाइल एप्लिकेशन डेवलपर से संबंधित पाठ्यक्रमों की सूची नीचे दी गई है -

- एप्लीकेशन डेवलपमेंट में सर्टिफिकेशन कोर्स
- बी.टेक कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
- बीएससी कंप्यूटर साइंस
- बीसीए कंप्यूटर साइंस
- बीटेक इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग



विदेश में इंटरनशिप करने का यह फायदा है कि आपको अच्छी जॉब्स मिलती हैं। विदेश में इंटरनशिप के बाद नई-नई चीजें सीख सकते हैं और अनुभवी लोगों के साथ काम कर सकते हैं। इंटरनेशनल इंटरनशिप दुनिया के विभिन्न संगठनों द्वारा डिजाइन किए गए प्रोग्राम हैं, जो उन छात्रों को अवसर प्रदान करते हैं, जो आगे बढ़ना चाहते हैं। इसका एकमात्र उद्देश्य इच्छुक छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करना है।

विदेश में आज भी इंटरनशिप मुफ्त हैं, यहां आप विदेश में अध्ययन करने के लिए इंटरनशिप का अवसर प्राप्त कर सकते हैं और विदेश में अध्ययन करते समय आय भी बढ़ा सकते हैं। विदेश में इंटरनशिप क्यों है फायदेमंद विदेश में इंटरनशिप आपको अपने अध्ययन के क्षेत्र में स्किल्स प्राप्त करके, उसे फिर से शुरू करने और अध्ययन करने के दौरान एक आय बढ़ाने के अवसरों का अनुभव करने में मदद करती है। इसके अलावा, विदेशों में मुफ्त इंटरनशिप आपको अंतरराष्ट्रीय प्लेसमेंट देती है, जो आपके लिए विश्व स्तरिय ट्यूटर्स से सीखने के अनुभव

और स्किल्स प्राप्त करना आसान बनाता है। विदेश में मुफ्त इंटरनशिप बहुत फायदेमंद है क्योंकि यह आपको उन लोगों से मिलने का अवसर प्रदान करती है, जो आप भविष्य में आप के नेटवर्क बनते हैं और आप एक पेशेवर के रूप में खुद को तैयार करते हैं। साथ ही अपने आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं और स्किल्स डेवलप करते हैं। अपने क्षेत्र को सही तरीके से पहचानें आप जिस भी क्षेत्र में रुचि रखते हैं वहां आपको इंटरनशिप प्लेसमेंट के बेहतरीन मौके मिलेंगे। विदेशों में इंटरन करने के लिए आपके चुनाव में विविधता एक बहुत बड़ा प्रभावक बन सकता है। आज के समय में कई इंटरनशिप और

विदेश में इंटरनशिप क्यों है फायदेमंद ? कैसे कर सकते हैं अप्लाई

प्लेसमेंट प्रदाता हैं, जो विदेश में आपके लिए किसी भी संगठन में सही इंटरनशिप करने में आपकी मदद कर सकते हैं।

वैश्विक नेटवर्क बढ़ता है

कोई भी इंटरनेशनल इंटरनशिप आपको वैश्विक नेटवर्क बनाने का अवसर प्रदान करेगी, जिसका आप सपना देख रहे हैं। यह आपको किसी भी निवेशक, निर्याता, सलाहकार और प्रभावशाली फील्ड के एक्सपर्ट से मिलवा सकती है। यहां आप अपने करियर को आगे बढ़ा सकते हैं और अच्छी जॉब हासिल कर सकते हैं।

अच्छी जॉब और

प्लेसमेंट की संभावनाएं

आज के समय में US, UK, कनाडा और सिंगापुर, फ्रांस, संयुक्त अरब अमीरात जैसे कई देश हैं जो दूसरे देश के छात्रों को अपने यहां इंटरनशिप करने का मौका देते हैं। ये देश हर साल अपने दूसरे देश के छात्रों को अपने यहां ग्रीष्मकालीन इंटरनशिप, लाइव प्रोजेक्ट और वर्चुअल इंटरनशिप के लिए आमंत्रित करते हैं। इन इंटरनशिप के बाद रोजगार पाने की संभावना बढ़ जाती है। हालांकि यह छात्रों

के इंटरन के दौरान उनके स्किल और प्रदर्शन पर भी निर्भर करता है।

इंटरनशिप के लिए कहां देखें

आप एक इंटरनशिप खोजने के लिए कुछ अलग मार्गों पर जा सकते हैं जो आपके लिए सही है या उनमें से एक संयोजन का प्रयास करें। अपने स्कूल के किसी सलाहकार से बात करें कि आप किस तरह के अवसरों की तलाश कर रहे हैं। कुछ बिजनेस स्कूल इंटरनशिप के लिए कंपनियों के साथ साझेदारी करते हैं, जिनमें से कुछ विदेश में हो सकते हैं। यदि आप पहले से ही विदेश में पढ़ रहे हैं या एक एक्सचेंज प्रोग्राम पर, भले ही सिर्फ एक या दो सेमेस्टर के लिए, यह उर स्कूल में करियर सलाहकार से बात करने में मदद करता है ताकि यह पता चल सके कि निकट भविष्य में कोई अवसर उपलब्ध हो सकता है या नहीं।



किसी भी विदेशी यूनिवर्सिटी में एडमिशन से पहले जान लें ये बातें...

आज के समय में हायर स्टडी के लिए ज्यादातर छात्रों की पहली पसंद विदेशों में पढ़ाई करना है। लेकिन विदेशों में जाकर हायर एजुकेशन प्राप्त करना जितना बेहतर है उतना ही रिस्क भी है। विदेशों में पढ़ाई के लिए आने वाला खर्च सभी छात्रों और उनके अभिभावकों के लिए सबसे अधिक चिंता का विषय है। लेकिन खर्च के अलावा भी कई ऐसी बातें हैं जिनका ध्यान रखना उतना ही आवश्यक है। आइए जान लेते हैं कि विदेशों में यूनिवर्सिटी का चुनाव करने से पहले हमें किन महत्वपूर्ण बातों को ध्यान में रखना है जरूरी।

कितना आएगा खर्च

विदेश में पढ़ने के लिए यह सबसे आवश्यक है कि छात्रों और उनके अभिभावकों के पास एडमिशन लेते समय ट्यूशन फीस और उसके अलावा आने वाले खर्च का ब्योरा हो। अक्सर जितना यूनिवर्सिटी की वेबसाइट पर लिखा होता है उससे अधिक ही छात्रों को पैसा देना होता है। इसी कारण यह बेहतर है कि छात्र एडमिशन से पहले ही सारे खर्चों का ब्योरा ले लिया जाए और इसके साथ ही छात्रों को आर्थिक मदद के लिए दिए जाने वाले स्कॉलरशिप की भी जानकारी होनी चाहिए।

इंटरनशिप के मौके

किसी भी यूनिवर्सिटी में एडमिशन लेने से पहले छात्रों को यह देख लेना चाहिए कि वह किस तरह के इंटरनशिप और रिसर्च के अवसर प्रदान करता है। यह इसलिए जरूरी है क्योंकि जिस क्षेत्र या विषय में आप रुचि रखते हैं उसमें आपका अनुभव होना भविष्य के करियर के लिए जरूरी होगा क्योंकि यह छात्रों को अपने नेटवर्क का विस्तार करने का अवसर प्रदान करेगा।

इमिग्रेशन के नियम

कोरोना के बाद इमिग्रेशन के नियमों में कई बदलाव किए गए हैं ऐसे में यह आवश्यक है कि एडमिशन से पहले सभी नियमों को जान लिया जाए। कई देशों में इमिग्रेशन को लेकर सख्त कानून हैं तो कई जगहों पर छात्रों के लिए द्वार खुले हैं। उदाहरण के लिए कनाडा में छात्रों को लिए इमिग्रेशन पॉलिसी काफी लचीली है।

शैक्षिक संभावनाएं

किसी भी यूनिवर्सिटी में एडमिशन लेने से पहले छात्रों को उस यूनिवर्सिटी से संबंधित शैक्षिक संभावनाओं को ध्यान में रखना चाहिए। यानी छात्रों को जिस यूनिवर्सिटी में एडमिशन लेना है उसकी रैंकिंग, स्कॉलरशिप के अवसर और उसमें पढ़ाए जाने वाले कोर्स की आदि की जानकारी होनी आवश्यक है।

यूनिवर्सिटी के बाद करियर

विदेशों में कॉलेज चुनते वक़्त अक्सर छात्र यह ध्यान नहीं देते कि पढ़ाई के बाद करियर कैसा रहेगा। जबकि यह प्रश्न सबसे आवश्यक है। छात्रों को एडमिशन लेने से पहले यह ध्यान में रखना चाहिए कि यूनिवर्सिटी की पढ़ाई के बाद छात्रों का करियर कैसा होगा।

बालाघाट; 45 आदिवासी बच्चों की मौत का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा

सीजेआई की बेंच ने केंद्र और राज्य सरकार को नोटिस जारी किया

राष्ट्रबाण | संवाददाता
rashtrabaan.in

बालाघाट के बिरसा क्षेत्र में चार महीने में 45 आदिवासी बच्चों की मौत का मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। सुप्रीम कोर्ट में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार और जवाबदेही की मांग करते हुए एक याचिका लगाई गई थी। इस पर मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की बेंच ने केंद्र-राज्य सरकार को नोटिस जारी किया।

रजिस्ट्री के बाद 20 लाख का विवाद, कलेक्टर तक पहुंचा

तीन चेक बाउंस होने का आरोप, सौदा कराने वालों की भूमिका पर उठे सवाल

राष्ट्रबाण | संवाददाता
rashtrabaan.in

जयसिंहनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम भुरका में जमीन की खरीद-बिक्री को लेकर विवाद प्रकाश में आया है। शिकायतकर्ता आरती प्रजापति पति जितेंद्र प्रजापति निवासी अनूपपुर ने कलेक्टर से शिकायत कर कथित धोखाधड़ी के मामले में जांच और कार्रवाई की मांग की है।

शिकायतकर्ता ने शिकायत में बताया कि ग्राम भुरका में स्थित भूमि के खसरा नंबर 235, 236/2 और 236/3 जमीन का सौदा 33 लाख रुपये में तय हुआ था लेकिन क्रेता द्वारा रजिस्ट्री में केवल 9 लाख रुपये दर्ज कराए गए और शेष 20 लाख रुपये के भुगतान के लिए दिए गए चेक बाउंस हो गए हैं, मामले में जमीन की खरीद-बिक्री कराने वाले दलालों की भूमिका पर भी सवाल उठाए गए हैं। शिकायतकर्ता ने संबंधित लोगों के बीच हुई बातचीत, भुगतान और रजिस्ट्री की परिस्थितियों की जांच कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

33 लाख रुपये में तय हुआ था जमीन का सौदा

शिकायतकर्ता आरती प्रजापति ने शिकायत के माध्यम से बताया कि ग्राम भुरका स्थित अपनी जमीन बेचना चाहती थीं। इसके लिए उन्होंने जमीन की दलाली का काम



20 लाख के भुगतान के लिए दिए गए चेक बाउंस होने का दावा



शिकायतकर्ता की माने तो बकाया राशि के भुगतान के लिए 10 लाख, 5 लाख और 5 लाख रुपये के तीन चेक दिए गए थे। आरोप है कि ये चेक दशरथ बर्मन और पंकज यादव की ओर से दिए गए थे। शिकायतकर्ता का दावा है कि बैंक में चेक जमा करने पर तीनों अनादृत हो गए, जिसके चलते उन्हें कथित तौर पर बकाया 20 लाख रुपये नहीं मिल सके।

रजिस्ट्री में केवल 9 लाख रुपये दर्ज कराने का आरोप

आरती प्रजापति ने शिकायत में बताया कि रजिस्ट्री के दौरान स्टॉप ड्यूटी और पंजीयन शुल्क कम रखने की बात कहकर विक्रय पत्र में केवल 9 लाख रुपये दर्ज कराए गए।

शिकायतकर्ता का कहना है कि संबंधित लोगों की बात पर विश्वास कर उन्होंने रजिस्ट्री करा दी। इसके बाद शेष रकम को लेकर विवाद की स्थिति निर्मित हुई।

दलालों की भूमिका पर सवाल

जमीन का सौदा कराने में शामिल बताए गए दशरथ बर्मन, विककी बर्मन, पंकज यादव, प्रदीप यादव और अकरम रंगरेज की भूमिका को लेकर शिकायतकर्ता ने सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि जमीन की कीमत तय कराने से लेकर रजिस्ट्री और भुगतान की प्रक्रिया तक इन लोगों की भूमिका रही। ऐसे में जमीन के सौदे में शामिल सभी लोगों की भूमिका की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदारी तय करने और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की गई है।

करने वाले दशरथ बर्मन से संपर्क किया था। दशरथ बर्मन ने अपने सहयोगियों विककी बर्मन, पंकज यादव, प्रदीप यादव और अकरम

क्रेता की भूमिका पर उठाए सवाल

शिकायतकर्ता आरती प्रजापति ने आरोप लगाया है कि जमीन का क्रेता अनुराग केशरवानी ने सौदा कराने वाले दलालों के साथ मिलीभगत कर कथित रूप से कूटरचना की। जमीन का सौदा 33 लाख रुपये में तय होने के बावजूद रजिस्ट्री में केवल 9 लाख रुपये दर्ज कराए गए, जबकि शेष 20 लाख रुपये के भुगतान के लिए अपना या अपने परिजनों का चेक भी नहीं दिए गए और अन्य व्यक्ति का चेक दिया गया जो कि चेक बाउंस हो गया। शिकायतकर्ता ने अनुराग केशरवानी सहित जमीन के सौदे में शामिल लोगों की भूमिका की जांच कराने व कथित धोखाधड़ी और कूटरचना मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की है। वहीं क्रेता के परिजन के संपर्क किया गया तो उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता को पूरा पैसा मिल गया है और लालच व अपने एक परिजन के बहकावे में आकर शिकायत कर रही है।

कलेक्टर से न्याय की गुहार

शिकायतकर्ता आरती प्रजापति ने कलेक्टर से पूरे मामले की जांच कराने तथा संबंधित दस्तावेजों और बैंक रिकॉर्ड के आधार पर उचित कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि मामले में रजिस्ट्री में दर्ज राशि, वास्तविक सौदे की शर्तों, भुगतान के प्रमाण और चेक बाउंस होने के जांच महत्वपूर्ण कड़ी तक पहुंचा सकते हैं।

रंगरेज के माध्यम से अनुराग केशरवानी के साथ जमीन का सौदा तय कराया। शिकायतकर्ता ने कहा कि सौदे के दौरान शुरुआत में 9 लाख रुपये चेक से और 4 लाख रुपये नकद दिए गए थे। इसके बाद जमीन की रजिस्ट्री की प्रक्रिया पूरी कराई गई। लेकिन सौदे की कुल राशि और भुगतान की वास्तविक जांच होनी चाहिए।

मौतों के दावे अलग-अलग

सुप्रीम कोर्ट ने अन्य राज्यों को भी ऐसे ही नोटिस जारी किए हैं। बैहर-बिरसा क्षेत्र में बच्चों की मौत के आंकड़ों में अंतर है। कांग्रेस 45 मौतों का दावा कर रही है, जबकि प्रशासन ने अब तक 32 मौतें ही मानी हैं। हालांकि 32 परिवारों को प्रशासन की ओर से 4-4 लाख रुपए की राशि प्रदान की गई है। वहीं बच्चों की मौतों के बाद क्षेत्र में प्रशासन, व्यवस्थाओं के सुधार में लगा है, लेकिन अब भी, अस्पताल पहुंचने का सिलसिला लगातार जारी है।

सुप्रीम कोर्ट में यह याचिका दायर की गई। इस मामले में 1 अक्टूबर को कांग्रेस नेता राहुल गांधी ग्राम जंगला



आए। उन्होंने कहा, आदिवासियों की स्थिति देखकर लगता है कि यहां कोई सरकार नहीं है। जंगला के पांच बच्चों

की मौत प्रशासनिक आंकड़ों में दर्ज नहीं है। इससे पहले, मलेरिया, खसरा और कुपोषण से बच्चों की मौत पर

केलमनिया में जन विश्वास शिविर आयोजित

राष्ट्रबाण | संवाददाता
rashtrabaan.in

बालाघाट जिले के लांजी क्षेत्र में एक दिव्यांग युवती के साथ घर में घुसकर दुष्कर्म करने वाले आरोपी को अदालत ने 15 साल की जेल की सजा सुनाई है। शुक्रवार को बालाघाट कोर्ट के जज प्राणेश कुमार प्राण की अदालत ने यह फैसला सुनाया। अदालत ने आरोपी अंबरलाल जामुरे (38 साल), जो घोटी नंदोरा गांव का रहने वाला है, इस पर 10 हजार रुपए जुर्माना भी लगाया। इसके साथ ही कोर्ट ने पीड़िता को मदद के तौर पर 5 लाख रुपए देने का आदेश भी दिया है। यह मामला 23 दिसंबर 2024 का है। आरोपी अंबरलाल जबरन दिव्यांग युवती के घर में घुस गया

मैसेजिंग ऐप और ऑनलाइन भुगतान के इस्तेमाल की चर्चा, पुलिस जांच से सामने आ सकती है वास्तविक स्थिति

राष्ट्रबाण | संवाददाता
rashtrabaan.in

जिले में सट्टे के पारंपरिक तौर-तरीकों की जगह डिजिटल माध्यमों के इस्तेमाल की आशंका ने एक बार फिर इस गतिविधि को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। जानकारों की माने तो कोतवाली और सोहागपुर थाना क्षेत्र में कथित तौर पर मोबाइल फोन के जरिए अंकों पर दांव लगाने और रकम के लेन-देन का नेटवर्क संचालित होने की चर्चाएं सामने आ रही हैं। इस मामले में सच्चा नाम के एक व्यक्ति की कथित भूमिका को लेकर भी स्थानीय स्तर पर सवाल उठाए जा रहे हैं।

बदलते तरीकों से बढ़ी निगरानी की चुनौती

शहर में चर्चा है कि अब सट्टे से जुड़ी गतिविधियों में मोबाइल फोन, मैसेजिंग प्लेटफॉर्म और डिजिटल भुगतान माध्यमों का इस्तेमाल किया जा रहा है। ऐसे मामलों में संपर्क और लेन-देन की प्रक्रिया आमने-सामने होने के बजाय ऑनलाइन माध्यमों से संचालित होने की आशंका रहती है। यदि क्षेत्र

दिव्यांग युवती से रेप, दोषी को 15 साल की जेल पीड़िता को 5 लाख देने का आदेश, डेढ़ साल बाद बालाघाट कोर्ट का फैसला

राष्ट्रबाण | संवाददाता
rashtrabaan.in

बालाघाट जिले के लांजी क्षेत्र में एक दिव्यांग युवती के साथ घर में घुसकर दुष्कर्म करने वाले आरोपी को अदालत ने 15 साल की जेल की सजा सुनाई है। शुक्रवार को बालाघाट कोर्ट के जज प्राणेश कुमार प्राण की अदालत ने यह फैसला सुनाया। अदालत ने आरोपी अंबरलाल जामुरे (38 साल), जो घोटी नंदोरा गांव का रहने वाला है, इस पर 10 हजार रुपए जुर्माना भी लगाया। इसके साथ ही कोर्ट ने पीड़िता को मदद के तौर पर 5 लाख रुपए देने का आदेश भी दिया है। यह मामला 23 दिसंबर 2024 का है। आरोपी अंबरलाल जबरन दिव्यांग युवती के घर में घुस गया



अदालत ने माना गंभीर अपराध

मामले की सुनवाई के दौरान सरकारी वकील मदन मोहन द्विवेदी ने कोर्ट में दलील दी कि यह बेहद संगीन अपराध है। समाज में ऐसे अपराधों को रोकने के लिए दोषी को सख्त से सख्त सजा मिलनी चाहिए, ताकि

कोई दोबारा ऐसी हिम्मत न करे। पुलिस ने मामले की जांच पूरी कर कोर्ट में चालान पेश किया था। अदालत ने गवाहों और सबूतों के आधार पर अंबरलाल को दोषी पाया और उसे जेल भेज दिया।

था और उसके साथ गलत काम किया था। घटना के बाद पीड़िता की

दादी ने लांजी थाने पहुंचकर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी।

डिजिटल सट्टे की चर्चा तेज, मोबाइल पर अंकों का खेल चलने की आशंका

इन सटोरियों की कथित भूमिका को लेकर चर्चा



सूत्रों की माने तो सच्चा नाम के व्यक्ति को लेकर चर्चाएं तेज है तो वही मुस्ताक, गोलू और निक्की भी इस कारोबार में शामिल बताए गए हैं। जानकारों की माने तो अकेला सच्चा तो लाखों में उतारा कर रहा तो यह तीन तिकड़ी भी पीछे नहीं है यह भी इस अवैध कारोबार में शामिल होकर अपनी किश्मत अजमा रहे हैं। बहरहाल मामले में यह स्पष्ट होना जरूरी है कि कथित नेटवर्क वास्तव में संचालित हो रहा है या नहीं, अगर हो रहा तो उसमें किन लोगों की भूमिका है। और इसमें कितने लोग शामिल हैं और यह नेटवर्क शहडोल तक सीमित है कि अन्य राज्यों में इनके संपर्क हैं।

सटोरियों की कथित भूमिका को लेकर चर्चाएं तेज

सूत्रों की माने तो सच्चा नाम के व्यक्ति की कथित भूमिका को लेकर चर्चाएं हैं, वहीं मुस्ताक, गोलू और निक्की के नाम भी इस कारोबार से जुड़े होने के आरोपों के बीच सामने बताए जा रहे हैं। जानकारों के बीच चर्चा है कि सच्चा के इस कारोबार में लाखों रुपये का खेल एक दिन का है तो वही। जबकि मुस्ताक, गोलू और निक्की की भी इस कारोबार में पीछे नहीं भ भी सच्चा बनने की राह पर चल रहे और नेटवर्क बढ़ाने में लगे हुए हैं। अब यह भी पता भी लगाया जाना जरूरी है कि कथित नेटवर्क केवल शहडोल जिले तक सीमित है या इसके संपर्क अन्य राज्यों तक भी फैले हुए हैं।

जांच से खुल सकते हैं तथ्य

स्थानीय लोगों का मानना है कि यदि सच्चा संचालन से संबंधित कथित व्यक्तियों से पुलिस कड़ाई से जानकारी व संबंधित डिजिटल साक्ष्यों और वित्तीय लेन-देन की नियमानुसार जांच की जानी चाहिए। मोबाइल पर हुए मैसेज, भुगतान संबंधी रिकॉर्ड और अन्य प्रासंगिक जानकारी जांच में महत्वपूर्ण हो सकती हैं।

युवाओं और परिवारों पर पड़ सकता है असर

सट्टे जैसी गतिविधियों को लेकर सामाजिक स्तर पर भी चिंता जताई जा रही है। आसान कमाई की उम्मीद में लोग आर्थिक जोखिम उठा सकते हैं, जिसका असर उनकी पारिवारिक और आर्थिक स्थिति पर पड़ने की आशंका रहती है। ऐसे में जागरूकता के साथ-साथ शिकायतों पर समयबद्ध कार्रवाई भी जरूरी मानी जा रही है।

में इस तरह की गतिविधियां चल रही हैं, तो उनकी वास्तविक स्थिति का पता लगाने के लिए पुलिस को तथ्यों और उपलब्ध साक्ष्यों के

आधार पर जांच करनी होगी।

पुलिस की जांच पर टिकी निगाह: अब इस पूरे मामले में पुलिस की संभावित कार्रवाई को

लेकर लोगों की निगाहें टिकी हैं। कोतवाली और सोहागपुर क्षेत्र में सट्टे की गतिविधियों को लेकर पुलिस कार्रवाई का इंतजार है।

कांग्रेस कार्यकर्ता ज्ञानेश कुमार का जलता पुतला लेकर भागा

एसआईआर प्रक्रिया पर मांगा इस्तीफा; जनपद उपाध्यक्ष बोले-मतदाता सूची में गड़बड़ी, अधिकार पर असर

राष्ट्रबाण | संवाददाता
rashtrabaan.in

बालाघाट जिले के लांजी क्षेत्र के ग्राम बहेला में शुक्रवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एसआईआर प्रक्रिया के विरोध में प्रदर्शन किया। इस दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन कर उनके इस्तीफे की मांग की गई। आयोजकों के अनुसार, प्रदर्शन में 100 से अधिक लोग शामिल हुए। इस दौरान एक कांग्रेस कार्यकर्ता



जलता हुआ पुतला लेकर भागा, जिसके पीछे पुलिस और अन्य कार्यकर्ता भी दौड़े। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। कांग्रेस का कहना है कि मतदाता सूची में नाम होना नागरिकों के मतदान के अधिकार से जुड़ा है। पार्टी ने मतदाता सूची तैयार करने की प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने की मांग की।

जनपद उपाध्यक्ष अजय अवसरे ने कहा कि एसआईआर से जुड़े चुनाव आयोग के कुछ फैसलों पर विपक्ष और महागठबंधन की ओर से आपत्तियां जताई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में किसी भी तरह की गड़बड़ी या अपारदर्शिता नागरिकों के मतदान के अधिकार को प्रभावित कर सकती है। अवसरे ने कहा, कांग्रेस एसआईआर प्रक्रिया का विरोध जारी रखेगी।

राष्ट्रबाण | संवाददाता
rashtrabaan.in

शहडोल मेडिकल कॉलेज में एक महिला ने सामान्य प्रसव के दौरान तीन बच्चों को जन्म दिया है। एक साथ तीन नवजातों के जन्म की खबर से परिवार में खुशियां छा गईं। जन्म लेने वाले बच्चों में दो बेटियां और एक बेटा है। हालांकि, तीनों



नवजातों का वजन कम होने के कारण उन्हें विशेष देखभाल के लिए अस्पताल की स्पेशल न्यूबॉर्न केयर यूनिट (एसएनसीयू) में रखा गया है। चिकित्सकों के अनुसार, मां और तीनों बच्चों की स्थिति

फिलहाल स्थिर है। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रीति कोल उम्र 20 वर्ष की निवासी ग्राम पटारी को प्रसव के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों की निगरानी में उनका सामान्य प्रसव

हुआ। इस दौरान करीब 10 मिनट के अंतराल में तीनों बच्चों का जन्म हुआ। प्रसव के बाद जब पता चला कि महिला ने दो बेटियों और एक बेटे को जन्म दिया है, तो परिजनों में खुशी का माहौल बन गया।

दुर्लभ मामला, सामान्य

प्रसव से तीन बच्चों का जन्म

मेडिकल कॉलेज के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. सोना सिंह ने बताया कि एक साथ तीन बच्चों का जन्म होना काफी दुर्लभ है। उनके मुताबिक, करीब 8 से 10 हजार प्रसव के मामलों में इस तरह का एक मामला सामने आने की बात कही जाती है। मेडिकल कॉलेज के अधीक्षक डॉ. नागेंद्र सिंह ने भी इसे असामान्य और दुर्लभ मामला बताया। फिलहाल चिकित्सकों की प्राथमिकता मां और तीनों नवजातों की बेहतर देखभाल करना है।

कलेक्टर नेहा मीना ने ग्राम पचधार में माटी कला का किया अवलोकन

दीपोत्सव सह प्रदर्शनी आयोजित करने के निर्देश, खावसा में भी कई स्थानों का किया निरीक्षण

सिवनी | संवाददाता

राष्ट्रबाण

rashtabaan.in

कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना ने ग्राम पचधार पहुंचकर पारंपरिक माटी कला का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने मिट्टी से बर्तन एवं घरेलू सजावटी वस्तुओं का निर्माण कर रही स्व-सहायता समूह की महिलाओं और ग्रामीण कारीगरों से संवाद कर उनके कार्य, आजीविका एवं आवश्यकताओं की जानकारी ली। उन्होंने स्वयं चाक चलाकर मिट्टी से वस्तुएं बनाने की प्रक्रिया को भी देखा तथा कारीगरों के पारंपरिक कौशल और कार्यशैली को जाना। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती अंजली शाह भी उपस्थित रही।

ग्रामीणों ने कलेक्टर श्रीमती मीना को अवगत कराया कि ग्राम पचधार में दशकों से मिट्टी से विभिन्न वस्तुएं बनाने की परंपरा चली आ रही है। पहले मुख्य रूप से मिट्टी के बर्तनों का निर्माण किया जाता था, लेकिन स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद प्रशिक्षण और मशीनों के उपयोग से अब आकर्षक सजावटी वस्तुएं भी तैयार की जा रही हैं। इससे पारंपरिक माटी कला को नया स्वरूप मिला है और उत्पादों की मांग स्थानीय क्षेत्र के साथ-साथ अन्य जिलों में भी बढ़ रही है।

इस दौरान सरस्वती आजीविका मिशन से जुड़ी दीदियों ने कलेक्टर श्रीमती मीना को बताया कि उन्हें विजयवाड़ा में आयोजित होने वाले सरस मेले में अपने उत्पादों के प्रदर्शन का अवसर मिल रहा है। कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना ने इस उपलब्धि पर दीदियों को बधाई दी तथा उनके प्रयासों की सराहना की। उन्होंने आश्चर्य किया कि महिलाओं के उत्पादों को प्रोत्साहित करने और उनकी आजीविका गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक सहयोग प्रदान किया जाएगा।

कलेक्टर श्रीमती मीना ने ग्रामीण कारीगरों से उनके द्वारा तैयार किए जा रहे उत्पादों, आय के स्रोतों तथा कार्य के दौरान आने वाली कठिनाइयों और आवश्यकताओं



गर्भवती महिलाओं की नियमित जांच और हाईरिस्क प्रकरणों की मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें



कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना ने खावासा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण कर उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं, स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्था तथा गर्भवती महिलाओं की देखभाल की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र में

ओपीडी की जानकारी लेने के साथ ही एपनसी पंजीयन एवं गर्भवती महिलाओं की जांच की स्थिति की समीक्षा की तथा संबंधित पंजी का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने उपस्थित गर्भवती महिला की अपने समक्ष जांच कराई तथा गर्भवती महिलाओं को दी जा रही स्वास्थ्य संबंधी काउंसिलिंग की व्यवस्था का अवलोकन किया। उन्होंने निर्देश दिए कि गर्भवती महिलाओं का समय पर पंजीयन, नियमित स्वास्थ्य जांच तथा आवश्यक परामर्श सुनिश्चित किया जाए, ताकि गर्भावस्था के दौरान संभावित जोखिमों की समय रहते पहचान कर उचित उपचार उपलब्ध कराया जा सके।

के संबंध में भी जानकारी ली। उन्होंने माटी कला से जुड़े ग्रामीणों के अनुभवों को जाना और उनके उत्पादों को व्यापक पहचान दिलाने की संभावनाओं पर चर्चा की। कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना ने आगामी दीपावली के अवसर पर जिला स्तर पर दीपोत्सव सह प्रदर्शनी आयोजित करने के निर्देश दिए, ताकि ग्राम पचधार के कारीगरों

एवं स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा तैयार मिट्टी के दीपकों, पारंपरिक बर्तनों और आकर्षक सजावटी वस्तुओं को व्यापक मंच मिल सके। इस पहल से स्थानीय उत्पादों के प्रचार-प्रसार एवं विपणन को बढ़ावा देने के साथ कारीगरों की आय में वृद्धि और पारंपरिक माटी कला के संरक्षण के अवसर भी उपलब्ध होंगे।

आंगनवाड़ी केंद्र खावासा में बच्चों से सुनी कविताएं और बांटी ड्रेस



कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना ने खावासा स्थित आंगनवाड़ी केंद्र का निरीक्षण कर बच्चों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, पोषण आहार एवं शाला पूर्व शिक्षा की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने केंद्र में दर्ज एवं उपस्थित बच्चों की संख्या की जानकारी लेते हुए बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही गंभीर तीव्र कुपोषित (एसएएम) एवं मध्यम तीव्र कुपोषित (एमएएम) श्रेणी के बच्चों की स्थिति की समीक्षा कर उनके पोषण एवं

स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने बच्चों के लिए तैयार किए जा रहे भोजन की गुणवत्ता का अवलोकन किया। उन्होंने टेक होम राशन (टीएचआर) की गुणवत्ता की भी समीक्षा की तथा बच्चों को निर्धारित मापदंडों के अनुरूप पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती अंजली शाह सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

छात्राओं से संवाद कर जानी समस्याएं



कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना ने खावासा स्थित सीनियर आदिवासी कन्या छात्रावास का निरीक्षण कर छात्राओं को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने छात्रावास में आवास, भोजन सहित छात्राओं के लिए उपलब्ध अन्य आवश्यक सुविधाओं का अवलोकन किया तथा

व्यवस्थाओं में आवश्यक सुधार एवं उन्नयन के संबंध में संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने छात्राओं के साथ बैठक कर उनसे संवाद किया। उन्होंने छात्रावास में उपलब्ध सुविधाओं, दैनिक व्यवस्थाओं एवं अध्ययन के लिए मिल रहे वातावरण के संबंध में जानकारी ली।

108 एंबुलेंस कर्मियों पर 2000 रुपए मांगने का आरोप

डिंडौरी की प्रसूता बोली- मंडला से नवजात को बस में ले जाना पड़ा

मंडला | संवाददाता

राष्ट्रबाण

rashtabaan.in

डिंडौरी जिले की एक प्रसूता से 108 एंबुलेंस में घर छोड़ने के बदले रुपए मांगने और रुपए न देने पर घर छोड़ने से मना करने का गंभीर मामला सामने आया है। मंडला में घटना का वीडियो शुक्रवार को सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मेहदवानी क्षेत्र के भुरकाटोला निवासी रमीला चरकड़े को प्रसव के लिए 5 अक्टूबर को जिला अस्पताल मंडला में भर्ती कराया गया था। 7 अक्टूबर को नॉर्मल डिलीवरी के बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई थी। रमीला के पति राजकुमार ने बताया कि छुट्टी होने के बाद 108 एंबुलेंस के कर्मचारी ने खुद उनसे संपर्क किया। कर्मचारी ने प्रसूता को घर

फुटेज देखकर होगी आरोपी कर्मचारी की पहचान



मामला सामने आते ही स्वास्थ्य विभाग हरकत में आ गया है। सीएमएचओ डॉ. डीके मोहंती ने बताया कि अस्पताल के सीसीटीवी फुटेज देखकर संबंधित कर्मचारी की पहचान की जाएगी। उन्होंने बताया कि ठेका कंपनी के को-ऑर्डिनेटर को भी इस बात की जानकारी दे दी गई है। जांच में जो भी तथ्य सामने

रुपए न देने पर एंबुलेंस कर्मियों ने किया मना

पैसे देने से साफ मना करने पर एंबुलेंस कर्मियों ने प्रसूता को घर छोड़ने से इनकार कर दिया। एंबुलेंस न मिलने पर बेबस परिजन को नवजात बच्चे और प्रसूता को लेकर बस से

अपने घर जाना पड़ा। इस घटना के बाद एंबुलेंस कर्मचारियों पर नियमों के खिलाफ जाकर दूसरे जिलों के मरीजों से पैसे ऐंठने के आरोप भी लग रहे हैं।

पहुंचाने के बदले पहले 2000 रुपए मांगे और जब उन्होंने

असमर्थता जताई, तो 1800 रुपए की मांग करने लगा।

कलेक्टर ने सांदीपनि विद्यालय सुकतरा का किया निरीक्षण

विद्यार्थियों को बोर्ड परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन के लिए किया प्रेरित

सिवनी | संवाददाता

राष्ट्रबाण

rashtabaan.in

कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना ने सांदीपनि विद्यालय सुकतरा का निरीक्षण कर शैक्षणिक व्यवस्थाओं एवं विद्यार्थियों की अध्ययन संबंधी प्रगति का जायजा लिया।

उन्होंने केजी-1 से कक्षा 12वीं तक की कक्षाओं में संचालित शैक्षणिक गतिविधियों का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने कक्षावार निर्धारित पाठ्यक्रम की पूर्णता, अध्ययन कार्यक्रम एवं समय-सारणी की स्थिति की जानकारी ली। साथ ही त्रैमासिक एवं अर्धवार्षिक परीक्षाओं के परिणामों की समीक्षा कर विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति का अवलोकन किया।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कक्षा 10वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों से संवाद कर आगामी बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी के संबंध में चर्चा की। उन्होंने विद्यार्थियों को पूरी लगन, मेहनत एवं नियमित अध्ययन के साथ परीक्षा की तैयारी करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि बोर्ड परीक्षाएं विद्यार्थियों के शैक्षणिक भविष्य एवं करियर की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

शहडोल | संवाददाता

राष्ट्रबाण rashtabaan.in

जिले की पुलिस व्यवस्था में बदलाव करते हुए पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल ने 29 पुलिसकर्मियों के तबादला आदेश जारी किए हैं। इस प्रशासनिक फेरबदल में उपनिरीक्षक, सहायक उपनिरीक्षक, प्रधान आरक्षक और आरक्षक स्तर के कर्मचारियों को अलग-अलग थानों एवं पुलिस शाखाओं में नई जिम्मेदारी दी गई है। आदेश जारी होने के बाद संबंधित कर्मचारियों को निर्धारित समयसीमा में नई पदस्थापना पर कार्यभार संभालना होगा।

थानों और शाखाओं में बदली जिम्मेदारी

तबादला लिस्ट में उपनिरीक्षक मोतीलाल सोनवानी को कोतवाली से देवलौद थाना भेजा गया है। गोविंदराम भगत को रक्षित केंद्र से पुलिस अधीक्षक कार्यालय की ओएम शाखा और एहसान खान को शिकायत शाखा में पदस्थ किया गया है। सहायक उपनिरीक्षक अजमेर सिंह को अमलाई से जयसिंहनगर, चमर सिंह को अमलाई से सीधी, अशोक सेन को रक्षित केंद्र से यातायात थाना तथा मदन सिंह पटेल को पौषी से अमलाई भेजा गया है। इनके अलावा आशा सिंह को सोहागपुर, राजेश बंसकार को यातायात थाना, गंगा प्रसाद बंसल को ब्यौहारी, मोहम्मद सफ़ी को सीधी और भैरव सिंह को सोहागपुर में नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। ये सभी रक्षित केंद्र से स्थानांतरित किए गए हैं।

तीन दिन में संभालना होगा कार्यभार

पुलिस अधीक्षक के आदेश में

संबंधित थाना प्रभारियों और रक्षित निरीक्षक को निर्देश दिए गए हैं कि स्थानांतरित पुलिसकर्मियों को तीन

सिवनी में दुर्गा प्रतिमाओं को मिल रहा अंतिम आकार



पंडालों में सजने लगे मां के दरबार; कोलकाता शैली की प्रतिमाओं की मांग बढ़ी

सिवनी | संवाददाता

राष्ट्रबाण

rashtabaan.in

सिवनी में शारदीय नवरात्रि की तैयारियां तेज हो गई हैं। मूर्तिकार मां दुर्गा की प्रतिमाओं को अंतिम रूप दे रहे हैं, वहीं शहर से गांवों तक दुर्गा उत्सव समितियां पंडालों की सजावट में जुटी हैं। इस बार कोलकाता शैली की डिजाइन वाली प्रतिमाओं की मांग भी सामने आई है।

35 प्रतिमाएं बनाने के मिले ऑर्डर

मूर्तिकार दिनेश ठाकुर ने बताया कि उनके पास इस साल 35 प्रतिमाएं बनाने के ऑर्डर हैं। कई दुर्गा उत्सव समितियों ने कोलकाता शैली की डिजाइन वाली प्रतिमाएं बनवाने की मांग की है। जिले में दो दर्जन से अधिक स्थानों पर प्रतिमाएं तैयार की जा रही हैं। मूर्तिकार मां दुर्गा, काली माता और अन्य देवी-देवताओं की प्रतिमाओं की रंगाई और सजावट में जुटे हैं। प्रतिमाओं के चेहरे और

पंडालों में चल रहा

सजावट का काम

शहर के मोहल्लों और ग्रामीण क्षेत्रों में दुर्गा उत्सव समितियां पंडाल तैयार कर रही हैं। विद्युत सजावट, रंग-बिरंगी रोशनी, फूलों और आकर्षक प्रवेश द्वारों से मां के दरबार को सजाने की तैयारी है। कुछ समितियां विशेष विषयों पर आधारित झांकियां भी बना रही हैं।

11 से 19 अक्टूबर

तक नवरात्रि

शारदीय नवरात्रि 11 अक्टूबर से शुरू होकर 19 अक्टूबर तक चलेगी। 120 अक्टूबर को विजयादशमी मनाई जाएगी। नौ दिनों के दौरान मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना, दुर्गा सप्तशती पाठ, भजन-कीर्तन और कन्या पूजन जैसे आयोजन होंगे।

धार्मिक आयोजनों की भी तैयारी

दुर्गा उत्सव समितियां पर्व को व्यवस्थित ढंग से मनाने की तैयारियों में जुटी हैं। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक पंडालों और धार्मिक आयोजनों की तैयारियां की जा रही हैं।

दूसरी बारीकियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

विज्ञापन के लिए संपर्क करें

7000427433

हादसे में घायल महिला की दूसरे दिन मौत

सिवनी में कटेनर ने कार को मारी थी ठक्कर, एक ही परिवार के 7 लोग

घायल

सिवनी | संवाददाता

राष्ट्रबाण

rashtabaan.in

सिवनी जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर बंजारी घाट में गुरुवार को हुए भीषण सड़क हादसे में घायल महिला की शुक्रवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। पीछे से आ रहे एक अनियंत्रित कटेनर ने आगे चल रही अटिंगा कार को जोरदार ठक्कर मार दी थी। ठक्कर इतनी तेज थी कि कार फोरलेन किनारे गड्ढे में जा गिरी। मृतक बिहार निवासी 55



वर्षीय गीता तिवारी हैं। कार में सवार परिवार के 7 अन्य सदस्य घायल हुए हैं, जिनमें तीन मासूम बच्चे भी शामिल हैं। गंभीर रूप से घायल चार लोगों को बेहतर इलाज के लिए जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। बिहार के सासाराम जिला के तिवारी परिवार कार से जबलपुर की ओर जा रहा था, तभी बंजारी घाट पर यह दुर्घटना घटी। हादसे के बाद कटेनर चालक मौके से गाड़ी लेकर फरार हो गया।

हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोग मदद के लिए आगे आए और डायल-112 व एंबुलेंस की मदद से घायलों को छपारा अस्पताल पहुंचाया गया।

हादसे में घायल निक्की तिवारी (27), सूर्यश तिवारी (3), आर्यन तिवारी (5), सुनील तिवारी (45), वर्षा तिवारी (30), इंद्रजीत तिवारी (35) और सत्यम तिवारी (5) का इलाज जारी है। 5 साल के बालक सत्यम के सिर पर गंभीर चोट आई है। कोतवाली चौकी प्रभारी विनेश बघेल के अनुसार मृतका का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजन को सौंप दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और फरार कटेनर चालक व वाहन की तलाश कर रही है।

दो दर्जन से ज्यादा पुलिसकर्मियों की नई पदस्थापना

पुलिस अधीक्षक ने किया बड़ा फेरबदल

शहडोल | संवाददाता

राष्ट्रबाण rashtabaan.in

जिले की पुलिस व्यवस्था में बदलाव करते हुए पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल ने 29 पुलिसकर्मियों के तबादला आदेश जारी किए हैं। इस प्रशासनिक फेरबदल में उपनिरीक्षक, सहायक उपनिरीक्षक, प्रधान आरक्षक और आरक्षक स्तर के कर्मचारियों को अलग-अलग थानों एवं पुलिस शाखाओं में नई जिम्मेदारी दी गई है। आदेश जारी होने के बाद संबंधित कर्मचारियों को निर्धारित समयसीमा में नई पदस्थापना पर कार्यभार संभालना होगा।



तीन दिन में संभालना होगा कार्यभार

पुलिस अधीक्षक के आदेश में

संबंधित थाना प्रभारियों और रक्षित निरीक्षक को निर्देश दिए गए हैं कि स्थानांतरित पुलिसकर्मियों को तीन

प्रधान आरक्षक और आरक्षक भी सूची में शामिल

प्रधान आरक्षक सुखेंद्र त्रिपाठी को पौषी से देवलौद, विनय त्रिपाठी को रक्षित केंद्र से गोहपारू, धुवेंद्र सिंह और बिलाल खान को ब्यौहारी से सोहागपुर तथा रामजी गौतम को ब्यौहारी से अमलाई भेजा गया है। रामनिवास पाण्डेय को यातायात थाना से ब्यौहारी, उमेश तिवारी को सोहागपुर से ब्यौहारी और अरविंद पयासी को पौषी से डीएसटी में पदस्थ किया गया है। इसी क्रम में राजेन्द्र सिंह को रक्षित केंद्र से ब्यौहारी, जीवन

लाल चौधरी और सुनील शर्मा को रक्षित केंद्र से जयसिंहनगर तथा शोभ नाथ यादव को जैतपुर से ब्यौहारी भेजा गया है। आरक्षक में सुदीप मिश्रा को सोहागपुर से कोतवाली, उदयपाल सिंह को झीक बिजुरी चौकी से अमलाई, संजय सिंह परिहार को सोहागपुर से सीधी, राजेश कुमार को कोतवाली से यातायात थाना और लोकेश कुमार राठौर को अमलाई से यातायात थाना में पदस्थ किया गया है।

दिन के भीतर कार्यमुक्त कर नई पदस्थापना के लिए रवाना किया जाए। तय समय में नवीन

पदस्थापना स्थल पर आमद नहीं देने पर संबंधित कर्मचारियों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की